>

Title: Need to include Pali language in UPSC examination and also in the Eighth Schedule of the Constitution.

श्री एकनाथ महादेव गायकवाड (मुम्बई दक्षिण-मध्य): मैं सरकार का ध्यान केन्द्रीय लोक सेवा आयोग के दिनांक 5 मार्च, 2013 को जारी किए गए नोटिफिकेशन की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। इस नोटिफिकेशन में पाली साहित्य को केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा की वैकल्पिक विषय सूची से हटा दिया गया है।

पाली एक ऐतिहासिक भाषा है। इस भाषा का प्रारंभ और उत्थान भारत से ही हुआ है। पाली साहित्य वैकल्पिक भाषा के तौर पर केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की परीक्षा सूची में गत 33 वर्षों से शामिल है। प्रतिवर्ष लगभग 10,000 विद्यार्थी इस भाषा के साथ तैयारी करते हैं और उनमें से लगभग 400 परीक्षार्थी मुख्य परीक्षा में बैठते हैं। पाली साहित्य भारत के कुल 55 विश्वविद्यालयों में पढ़ाया जाता है।

संपूर्ण बौद्ध साहित्य पाली भाषा में ही है। हमारे संविधान निर्माता आदरणीय डा. बाबा साहेब अम्बेडकर का पाली साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने पाली व्याकरण और पाली शब्दकोष का अंग्रेजी, हिन्दी, मराठी व गुजराती भाषा में अनुवाद किया था। उन्हीं के अथक परिश्रम से ही दिल्ली विश्वविद्यालय में स्वतंत्र पाली विभाग का गठन किया गया था।

अतः मैं सरकार से यह मांग करता हूं कि उपरोक्त नोटिफिकेशन को जल्द से जल्द रद्द किया जाए तथा पाली साहित्य को केन्द्रीय लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा में दोबारा शामिल किया जाए और मैं सरकार से यह भी मांग करता हूं कि पाली भाषा को संविधान की आठवीं सूची में शामिल किया जाए।